Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP,
Ludhiana, Shimla,
Bihar, Jammu, Jaipur
Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9041488440
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

Mon- 13 Jul - 2026 | Year - 01 | Issue - 98 | Page - 01 | Rs. - 5 | www.azadvaani.com

मिशन आरंभ से 1.6 लाख अभिभावक जुड़े, डिजिटल शिक्षा से मजबूत हो रही बच्चों की नींव

चंडीगढ़, 13 जुलाई: पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में 'मिशन आरंभ' प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को डिजिटल माध्यम से नई दिशा दे रहा है।

'प्रथम' और 'रॉकेट लर्निंग' के सहयोग से संचालित इस पहल के तहत व्हाट्सऐप आधारित होम लर्निंग कार्यक्रम से अब तक 1.6 लाख से अधिक अभिभावक जुड़े हैं।

राज्य के सभी 23 जिलों में 26,209 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को साप्ताहिक गतिविधियां, शिक्षण वीडियो और क्विज़ उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे परिवार बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में सक्रिय भागीदार बन रहे हैं और सीखने की मजबूत नींव तैयार हो रही है।

'मुख्यमंत्री माँवां-धियां सत्कार योजना' से महिलाओं को मिला सम्मान और आर्थिक संबल

चंडीगढ़, 13 जुलाई: पंजाब सरकार की 'मुख्यमंत्री माँवां-धियां सत्कार योजना' राज्य की महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता के साथ आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का नया आधार बन रही है। योजना के तहत कई महिलाओं के बैंक खातों में पहली किस्त पहुंच चुकी है, जिससे वे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बचत और घरेलू जरूरतें पूरी कर रही हैं। अदालतपुर की गगनदीप कौर ने राशि बेटे की जरूरतों पर खर्च करने की बात कही, जबकि इच्छेवाला की सोमा ने बेटी की कॉलेज शिक्षा, कपड़े और किताबों के लिए इसे बड़ी राहत बताया।

गुरदासपुर की राज ने कहा कि अब दवाइयों के लिए किसी से पैसे नहीं मांगने पड़ेंगे। सुनाम की रेणु इसे आत्मनिर्भरता का प्रतीक मानती हैं, वहीं सविता बचत शुरू करने की योजना बना रही हैं। बठिंडा की जसबीर कौर बेटी की उच्च शिक्षा पर राशि खर्च करना चाहती हैं।

महिलाओं का कहना है कि यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और परिवार की जरूरतें पूरी करने का अवसर भी दे रही है।

दोआबा में बाढ़ सुरक्षा का जायज़ा लेने पहुंचे मंत्री बरिंदर गोयल, बोले- लोगों की सुरक्षा पर 450 करोड़ रुपये खर्च कर रही पंजाब सरकार

चंडीगढ़/शहीद भगत सिंह नगर, 13 जुलाई: पंजाब के जल स्रोत, खनन एवं भू-विज्ञान तथा भूमि एवं जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने दोआबा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए सतलुज नदी के किनारे चल रहे बाढ़ रोकथाम कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा मानसून के मद्देनजर पूरे पंजाब में बाढ़ सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा के तहत मंत्री ने विधायक संतोष कटारिया के साथ बलाचौर उपमंडल के बंगा बेट और खोजा बेट क्षेत्रों का दौरा किया।

दौरे के दौरान मंत्री ने करीब 2.30 करोड़ रुपये की लागत से हाल ही में पूर्ण हुए बाढ़ सुरक्षा प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस परियोजना के तहत बांध पर 910 फीट लंबा रिवेटमेंट और आठ स्टड बनाए गए हैं, जिनका उद्देश्य नदी के कटाव को रोकना, बांध को मजबूत करना तथा बाढ़ के दौरान आसपास के गांवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि पंजाब सरकार राज्यभर में बाढ़ रोकथाम उपायों पर 450 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है, जो इस दिशा में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। उन्होंने बताया कि इस राशि से 101 बोल्डर एवं हाइब्रिड सुरक्षा कार्य, 17 बांधों की ऊंचाई बढ़ाने, 22 बांधों को मजबूत करने, 188 नालों की सफाई तथा पांच बाढ़ नियंत्रण गेटों के संचालन जैसे व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ के खतरे को कम करना और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मंत्री ने कहा कि बंगा बेट और खोजा बेट में तैयार की गई यह परियोजना लगभग 2,500 निवासियों और 10,000 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि को बाढ़ और नदी कटाव से सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि पहले नदी के लगातार कटाव के कारण बांध और नदी के बीच की दूरी काफी कम हो गई थी, जिससे आसपास के गांवों पर खतरा बढ़ गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने वर्षों तक बाढ़ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय की अनदेखी की, जिसके कारण कई क्षेत्रों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पहली बार वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर संवेदनशील स्थलों की पहचान कर युद्धस्तर पर बाढ़ सुरक्षा कार्य कराए हैं। सरकार का उद्देश्य केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि स्थायी सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना है।

बरिंदर गोयल ने अधिकारियों को सभी बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि लोगों की जान, संपत्ति और कृषि भूमि की रक्षा के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस अवसर पर विधायक संतोष कटारिया तथा स्थानीय ग्रामीणों ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर बाढ़ रोकथाम कार्य किए गए हैं। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि ये परियोजनाएं मानसून के दौरान बाढ़ और नदी कटाव से स्थायी राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर अमरिंदर सिंह पंधेर,

फोटोग्राफर से कृषि-उद्यमी बने सरबजीत, एआईएफ योजना ने बदली जिंदगी: मोहिंदर भगत

चंडीगढ़, 13 जुलाई: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसान-हितैषी नीतियां युवाओं को कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर प्रेरित कर रही हैं। बागवानी विभाग, जो राज्य में एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना का नोडल विभाग है, कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि एआईएफ योजना के तहत रियायती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर कृषि अवसंरचना के विकास को गति दी जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि यह योजना आधुनिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयों, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग और अन्य कृषि अवसंरचना परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है। कम ब्याज दर पर ऋण मिलने से युवा उद्यमियों का वित्तीय बोझ घटता है और वे आत्मविश्वास के साथ अपना व्यवसाय शुरू कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य कृषि को केवल खेती तक सीमित न रखकर उसे लाभकारी उद्यम के रूप में विकसित करना है।

उन्होंने एस.ए.एस. नगर के युवा सरबजीत सिंह की सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि पहले वे पेशे से फोटोग्राफर थे, लेकिन एआईएफ योजना के तहत मात्र छह प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिलने के बाद उन्होंने कृषि प्रसंस्करण इकाई स्थापित की। आज वे उच्च गुणवत्ता वाला आटा और मसालों का उत्पादन कर रहे हैं तथा अपने उत्पादों के माध्यम से अच्छी आय अर्जित करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं।

सरबजीत सिंह ने बताया कि फोटोग्राफी के क्षेत्र से कृषि-उद्यमिता तक का उनका सफर आसान नहीं था, लेकिन एआईएफ योजना ने उन्हें नई शुरुआत का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल ने न केवल उनके व्यवसाय को स्थापित करने में मदद की, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी दिया। उनका मानना है कि यदि सही मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता मिले तो युवा कृषि क्षेत्र में भी सफल उद्यमी बन सकते हैं।

मोहिंदर भगत ने राज्य के युवाओं से एआईएफ योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि कृषि आधारित उद्योगों में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और आधुनिक कृषि अवसंरचना के विकास से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। पंजाब सरकार कृषि क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा एआईएफ योजना इसी दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है।

बदलती ग्राहक जरूरतों के अनुरूप प्रीमियम बैंकिंग को नया स्वरूप दे रहा है उज्जीवन का

चंडीगढ़: भारत में तेजी से बढ़ रहा 'मास-एफ्लूएंट' (उच्च-मध्यम आय वर्ग) अब बैंकिंग क्षेत्र की दिशा बदल रहा है। बढ़ती आय, निवेश के प्रति जागरूकता और बेहतर जीवनशैली की चाह रखने वाले ग्राहक अब केवल बचत खाते और लेन-देन तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसी बैंकिंग सेवाएं चाहते हैं जो उनकी वित्तीय आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी जीवनशैली से भी मेल खाएं। इसी बदलती सोच को ध्यान में रखते हुए उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपना प्रीमियम बैंकिंग प्रोग्राम 'आइवरी' पेश किया है, जो बैंकिंग और लाइफस्टाइल अनुभव को एक साथ जोड़ने का प्रयास करता है।

'आइवरी' के तहत ग्राहकों को समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर, प्रीमियम मेटल डेबिट कार्ड, वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच, लाइफस्टाइल लाभ, हॉस्पिटैलिटी पार्टनर्स के विशेष ऑफर और एकीकृत रिवॉर्ड्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। बैंक का उद्देश्य ग्राहकों को केवल बैंकिंग सेवाएं देना नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत, सुविधाजनक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करना है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के हेड-रिटेल लाइबिलिटीज, टीएएससी एवं टीपीपी, हितेंद्र झा ने कहा कि भारत में तेजी से बढ़ रहा 'मास-एफ्लूएंट' वर्ग बैंकिंग उद्योग के लिए नए अवसर लेकर आया है। आज ग्राहक केवल वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि ऐसा अनुभव चाहते हैं जो उनकी जीवनशैली और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि 'आइवरी' को इसी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है ताकि ग्राहकों को अधिक व्यक्तिगत और सहज बैंकिंग अनुभव मिल सके।

उन्होंने आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 का हवाला देते हुए बताया कि घरेलू वित्तीय बचत में इक्विटी और म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2012 के लगभग 2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 15.2 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह बदलाव दर्शाता है कि भारतीय ग्राहक अब निवेश और संपत्ति निर्माण के प्रति पहले से अधिक जागरूक हो रहे हैं तथा लंबी अवधि की वित्तीय योजना पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

SQUARENET
Innovation & Excellence

Microsoft Solutions Partner | Google Cloud Partner | aws partner network

Zoho Mail | Google Workspace | Microsoft 365

Are you looking for a reliable
EMAIL SERVICE PROVIDER?
Choose the best suitable plan for your business from SquareNet

Secure & Reliable | Professional Email | Cloud Integration | 24/7 Expert Support | Scalable for Every Business

Advertisement

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com
mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

herbegy™
Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.